

गोगुंदा में आदमखोर पैंथर का आतंक जारी, वृद्धा का शिकार किया

पैंथर ने 15 किमी. का पहाड़ी रास्ता तय कर पांच गांवों में 10 दिन में 6 जनों को शिकार बनाया

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर जिले के गोगुंदा थाना क्षेत्र के गुर्जरों का गुडा गांव में आदमखोर पैंथर ने शनिवार शाम वृद्ध महिला का शिकार कर लिया। दस दिन में आदमखोर पैंथर का यह छठा शिकार है। पैंथर एक ही लंबी पहाड़ी के सहारे आगे से आगे बढ़ता जा रहा है, आदमखोर पैंथर ने दस दिन में छाली गांव से गुर्जरों का गुडा तक करीब 15 किलोमीटर का पहाड़ी रास्ता तय कर इस बीच पांच गांवों में 6 लोगों का शिकार किया है।

छह मीलों के बाद भी वन विभाग पिंजरे के भरोसे बैठा है और वनक्षेत्र के अन्य पैंथर को पिंजरे में आता देख खुश हो रहा है। वहीं आदमखोर पैंथर हर दूसरे दिन मानव शिकार कर रहा है। आदमखोर पैंथर इतना आक्रामक हो चुका है कि वह अब घर में घुसकर लोगों का शिकार कर रहा है। पैंथर वन विभाग की तैयारियों को धता बताकर लगातार चक्का दे रहा है। पुलिस उपअधीक्षक गजेन्द्र सिंह राव के अनुसार पैंथर ने गुर्जरों का गुडा निवासी 55 वर्षीय महिला गद्दबाई पत्नी मोतीलाल गुर्जर का शिकार कर उसे मार दिया है। गद्दबाई पति

मोतीलाल के साथ गुर्जरों का गुडा गांव में आबादी बस्ती से एक किलोमीटर दूर एक मंजरे पर बने घर में रहती थी। शनिवार दोपहर मोतीलाल गांव में बस्ती की तरफ काम से आया था। मंजरे पर बने घर में गद्दबाई अकेली थी। शाम को मोतीलाल घर लौटे तो गद्दबाई नहीं मिली। मोतीलाल की सूचना पर सैकड़ों ग्रामीण इकट्ठे होकर पहुंचे और जंगल के अंदर तलाश शुरू की। जंगल में 400 मीटर अंदर पहले महिला की साड़ी का कुछ हिस्सा मिला फिर उसके एक दो गहने और चप्पल दिखी, फिर खून पड़ा दिखा। ग्रामीण उसी दिशा में आगे बढ़े तो झाड़ियों में महिला का शव मिल गया। शव को बुरी तरह से नोच-नोच कर खाया गया था। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने शनिवार दोपहर 12 बजे गोगुंदा मार्ग अवरुद्ध कर दिया जिसे समझाश के बाद सुचारु करवाकर कर वृद्धा का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सुपूर्द किया गया।

इससे पहले देर रात को वन विभाग की ओर से गांव में पिंजरा नहीं लगाने और अधिकारियों के मौके पर नहीं पहुंचने से ग्रामीण नाराज हो गए थे। गुस्सा परिजनों के साथ सैकड़ों

■ **गोगुंदा इलाके में छाली ग्राम पंचायत के बाघदड़ा गांव में चौथा पैंथर पिंजरे में कैद हुआ, यह वह जगह है, जहां एक सप्ताह पहले पैंथर ने खेत में बैल का शिकार किया था**

ग्रामीण मजाम रोड पर शव को लेकर धरने पर बैठ गए। रात 2 बजे तक घरना चलता रहा। गोगुंदा थाना पुलिस जाबता और तहसीलदार केलाश इनामिया मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों को समझाया। तब जाकर मालामाल शान्टा हुआ स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि 18 से 28 सितंबर के बीच तीन ग्राम पंचायतों के 5 गांवों में आदमखोर पैंथर 6 लोगों का शिकार कर उन्हे मौत के घाट उतार चुका है। यह आदमखोर पैंथर एक ही पहाड़ी के सहारे आगे से आगे बढ़ रहा है और 18 सितंबर से 28 सितम्बर तक छाली के उंडीथल से गुर्जरों का गुडा तक 15 किलोमीटर का रास्ता तय कर गोगुंदा की तरफ बढ़ रहा है।

जानकारी के अनुसार 19 सितंबर सुबह आठ बजे उंडीथल गांव की रहने वाली किशोरी कमला का हाथ, मुंह खाया हुआ शव झाड़ियों में मिला था। 19 सितंबर शाम को भेवडिया गांव

के खुमाराम गमेती को पैंथर ने अपना शिकार बनाया। 20 सितंबर सुबह मलारिया खुर्द गांव की महिला पर हमला किया। उसने भागकर अपनी जान बचाई। 20 सितंबर शाम को उमरिया गांव की हमेरी भील को पैंथर ने शिकार बनाया। 25 सितंबर शाम सात बजे मजावद ग्राम पंचायत के कुडाऊ गांव की भील बस्ती की 5 साल की बच्ची को पैंथर लेपड़ ने मार डाला। 26 सितंबर दोपहर तीन बजे झाडोल के सरणा फला में 50 साल के शंकर को पैंथर ने मार डाला था। इसी क्रम में 28 सितंबर रात सवा नौ बजे गुर्जरों का गुडा गांव की 55 साल की गद्दबाई का शव घर से 300 मीटर दूर पहाड़ी पर मिला।

इधर शनिवार देर रात जिले के गोगुंदा इलाके में छाली ग्राम पंचायत के बाघदड़ा गांव में चौथा पैंथर पिंजरे में कैद हुआ। यह वह जगह है, जहां

एक सप्ताह पहले पैंथर ने खेत में बैल का शिकार किया था। रविवार सुबह छह बजे गांव के सरपंच गणेशलाल सहित 4-5 ग्रामीणों ने पैंथर को पिंजरे में कैद देखा। वह पिंजरे में गुरा रहा था। उन्होंने वनविभाग के अधिकारियों को सूचना दी। विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे। वहां से पैंथर को सज्जनगढ़ बायोलाॅजिकल पार्क लाया गया। यहां वेटरनरी डॉक्टर पैंथर की जांच करेंगे। इसके बाद वनविभाग इसे यहां रखने या फिर सुरक्षित छोड़ने को लेकर निर्णय लेगा। इससे पहले 23 सितंबर की रात छाली ग्राम पंचायत के उमरिया गांव में दो अलग-अलग पिंजरों में दो पैंथर कैद हुए थे। वहीं, 27 सितंबर को देर रात मजावद ग्राम पंचायत के कुडाऊ गांव की भील बस्ती के पास पिंजरे में एक पैंथर कैद हुआ था। गोगुंदा के राणा गांव में रविवार दोपहर करीब 12 बजे एक महिला पर पैंथर ने हमले का प्रयास किया। चुनकी बाई पत्नी भंवरलाल खेतों में घास काट रही थी। यहीं पास में एक पैंथर झाड़ियों में घात लगाकर बैठा था। जैसे ही वह महिला की ओर बढ़ा महिला चिल्लाते हुए भागी और अपनी जान बचाई।

बीकानेर के जवान रामस्वरूप कस्वां का पांच दिन बाद अंतिम संस्कार हुआ

प्रशासन ने गाई ऑफ ऑनर की सहमति दी, परिवार को 50 लाख की आर्थिक सहायता और पत्नी को संविदा पर नौकरी की मांग मानी

बीकानेर, (नि.सं.)। जिले के पांच क्षेत्र के जवान रामस्वरूप कस्वां का मौत के पांच दिन बाद अंतिम संस्कार किया गया। जवान को शहीद का दर्जा दिलाने और अन्य मांग को लेकर चार दिन से चल रहा घरना रविवार दोपहर डेढ़ बजे खत्म हो गया। प्रशासन ने गाई ऑफ ऑनर के लिए सहमति दे दी। इसके साथ ही परिवार को 50 लाख रुपए की आर्थिक सहायता और पत्नी को संविदा पर नौकरी दी जाएगी। इसके बाद रामस्वरूप कस्वां के शव को अंतिम संस्कार के लिए सम्मान के साथ पांच गांव रवाना किया गया। जहां उनका राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार हुआ। इससे पहले, रविवार सुबह जयपुर-बीकानेर नेशनल हाईवे-11 छोले दिया गया था।

बीकानेर के जवान रामस्वरूप कस्वां (24) की 25 सितंबर को अनन्तनाग में गोली लगने से मौत हो गई थी। नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने 28 सितंबर को दो बार रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और प्रदेश सरकार में सैनिक कल्याण मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ से बातचीत की। डेढ़ घंटे तक प्रशासनिक अधिकारियों के साथ मीटिंग भी हुई, लेकिन तब सहमति

■ **बीकानेर के जवान रामस्वरूप कस्वां की (24) की 25 सितंबर को अनन्तनाग में गोली लगने से मौत हो गई थी**

तक करीब एक हजार लोग घरना स्थल म्यूजियम सर्किल पर जुटे थे। घरने में पहुंचे नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने कहा था कि सारी मांगों सरकार के सामने रख दीं, अब तो लाठी-भाटा हो सकती है। बेनीवाल ने जवान के भाई श्रीराम कस्वां से बात की। रात 12 बजे तक बेनीवाल वहीं रहे। जवान रामस्वरूप कस्वां को शहीद का दर्जा देने की मांग को लेकर बीती रात प्रदर्शनकारी म्यूजियम सर्किल पर रखे सेना के टैंक पर चढ़ गए थे।

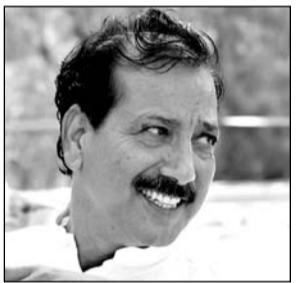
नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने 28 सितंबर को दो बार रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और प्रदेश सरकार में सैनिक कल्याण मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ से बातचीत की। डेढ़ घंटे तक प्रशासनिक अधिकारियों के साथ मीटिंग भी हुई, लेकिन तब सहमति

नहीं बन सकी थी। जवान को शहीद का दर्जा देने को लेकर बीकानेर शहर के म्यूजियम सर्किल पर नेशनल हाईवे 11 के बीच टैंट लगाकर घरना लगाया गया था, जिसे रविवार सुबह वार्ता में मांगों पर बनी सहमति के बाद हटा लिया गया।

बीकानेर-जयपुर नेशनल हाईवे बंद होने के कारण बड़ी संख्या में लोग परेशान रहे। रामस्वरूप कस्वां के भाई श्रीराम कस्वां ने बताया कि आम जनता की परेशानी को देखते हुए सिर्फ रास्ता खोला गया। घरना वहीं पर जारी रहेगा। आज सुबह घर के सभी लोग नेशनल हाईवे के पास ही धरने पर बैठे थे। म्यूजियम चौंराहा पिछले तीन दिन से पूरी तरह बंद था। ऐसे में वाहनों की संख्या अन्य रास्तों पर बढ़ गई थी। अंबेडकर सर्किल पर दबाव बढ़ा हुआ था।

जिला कलेक्टर नमृता वृष्णि और एसपी कान्वेंट सिंह सागर आज जवान रामस्वरूप कस्वां के गांव पांच पहुंचे थे। इस बारे में बातचीत में एसपी सागर ने कहा कि परिवार के लोगों से मुलाकात की। इसके बाद परिजनों की मांगों पर सहमति बनी।

झुंझुनूं में हो सकता है भाई वर्सेज भाई का मुकाबला!



पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह गुडा।



पूर्व विधायक रणवीर सिंह गुडा।

झुंझुनूं विधानसभा का उप चुनाव प्रस्तावित है। जहां पर भाई वर्सेज भाई का चुनाव भी देखने को मिल सकता है। जानकारी के अनुसार एक तरफ पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह गुडा खुद को उप चुनाव के लिए प्रत्याशी घोषित कर इलाके में सक्रिय है तो वहीं अब उनके भाई पूर्व विधायक रणवीर सिंह गुडा ने भी झुंझुनूं में सक्रियता बढ़ा दी है। साथ ही भाजपा की टिकट की मांग रहे हैं। वे लगातार भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं के अलावा क्षेत्र में सक्रियता के साथ दौर कर रहे हैं। जिससे राजनीतिक गलियारों में कयास लगने शुरू हो गए हैं कि हो सकता है कि दोनों भाई चुनावों में पहली बार आमने-सामने हो जाएं।

■ **पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह गुडा खुद को प्रत्याशी घोषित कर इलाके में सक्रिय**

■ **मेरा परिवार भाजपा है, जिसे भी टिकट मिली जितनाएं : रावीर सिंह गुडा**

वोटों से चुनाव जीती। अब भी वे चाहते हैं कि भाजपा सभी सातों विधानसभा सीटों पर प्रस्तावित उप चुनाव में जीत दर्ज करे। अपनी टिकट दावेदारी पर रणवीर सिंह गुडा ने कहा कि बतौर कार्यकर्ता वे टिकट मांग रहे हैं, लेकिन पार्टी जिसे भी टिकट देगी उसके लिए वे जी-जान से मेहनत करेंगे। इस मौके पर रणवीर सिंह गुडा ने अपने भाई राजेंद्र सिंह गुडा के सामने चुनाव लड़ने के सवाल पर कहा कि उनका परिवार भाजपा है, उनका पहला और आखिरी मकसद भाजपा के प्रत्याशी के लिए जी-जान लगाकर उसे जिताना ही रहेगा।

थाने के समीप अंधेड़ का शव मिला

करौली, (नि.सं.)। करौली कोतवाली से मात्र 100 मीटर दूर नई सब्जी मंडी क्षेत्र में एक व्यक्ति का संदिग्ध अवस्था में शव मिला। जिसका पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सुपूर्द कर दिया।

मृत पड़े युवक की सूचना के बाद करौली कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और घटनाक्रम की जानकारी ली। पुलिस ने मृतक की पहचान के प्रयास किए। बाद में मृतक का शव करौली हॉस्पिटल की मॉर्चुरी में रखवाया जहां मृतक की पहचान भरतलाल जाटव निवासी लेदौर खुर्द के रूप में हुई है। कोतवाली पुलिस मामले की जांच कर रही है।

करौली हॉस्पिटल पुलिस चौकी एएसआई बृजराज शर्मा ने बताया कि नई सब्जी मंडी क्षेत्र में एक युवक का शव पड़ा होने की सूचना मिली थी। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। साथ ही मृतक की पहचान के प्रयास किए लेकिन असफल रहे। मृतक के शव को करौली हॉस्पिटल की मॉर्चुरी में रखवाया।

इस दौरान मृतक के परिजन अस्पताल पहुंचे। जहां उन्होंने मृतक की पहचान भरतलाल जाटव 51 पुत्र पांच्या जाटव निवासी लेदौर खुर्द के रूप में की। परिजनों ने बताया कि मृतक का पुत्र अस्पताल के मेडिकल वार्ड में 27 सितंबर को भर्ती हुआ था। परिजन पुत्र को लेकर शनिवार को वापस चले गए लेकिन मृतक भरतलाल घर नहीं पहुंचा। रविवार प्रातः नई सब्जी मंडी में शव पड़ा मिला है।

ट्रैक्टर ने दो मासूम भाइयों को टक्कर मारी, एक की मौत, एक घायल

मृतक के परिजनों एवं ग्रामीणों ने बच्चे के शव को लेने से इंकार किया, आरोपी की गिरफ्तारी की मांग की

भरतपुर, (नि.सं.)। कुम्हेर थाना क्षेत्र के गांव जया में ट्रैक्टर से कुचलने के चलते एक सात वर्षीय बालक की मौत हो गई। वहीं उसका भाई गंभीर रूप से घायल हो गया, जिस पर कुम्हेर थाना पुलिस ने मृतक के शव का जिला आरबीएम अस्पताल में पोस्टमार्टम कराया, लेकिन स्थिति उस वक्त विगड़ गई जब मृतक के परिजनों एवं स्थानीय गांव के निवासियों ने बच्चे के शव को तब तक लेने से इंकार कर दिया जब तक पुलिस आरोपी को गिरफ्तार नहीं कर ले।

कुम्हेर थाना पुलिस ने परिजनों को समझाने का भरसक प्रयास किया कि आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाए, लेकिन परिजनों मानने को तैयार नहीं हुए। सूचना पर जाटव समाज के राजकुमार पप्पा सहित कई प्रतिनिधि भी अस्पताल में पहुंच गए। भीम आर्मी के पूर्व जिला अध्यक्ष प्रवीण कबीर ने भी मामले की मौके पर पहुंचकर जानकारी ली। गांव के लोगों ने पुलिस को साफ कर दिया कि जब तक आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो जाती वे बच्चे के शव को नहीं लेंगे। पुलिस व ग्रामीणों के बीच गतिरोध बना रहा, जिसके बाद पीड़ित परिजन अपने गांव के करीब पांच दर्जन महिला पुरुषों के साथ जिला आरबीएम अस्पताल से पैदल ही करीब तीन किलोमीटर पुलिस के खिलाफ प्रदर्शन



गांव जया में ट्रैक्टर से कुचलने से एक बालक की मौत के बाद परिजनों एवं ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया।

करते हुए आईजी कार्यालय पहुंच गए। मामले की गंभीरता को देखते हुए मथुरा गेट थाना प्रभारी करण सिंह, कोतवाली थाना अधिकारी रामरूप, सेवर थाना एसएचओ अनिल जसौरिया पुलिस जाते के साथ मौके पर पहुंच गए, जहां प्रशिक्षु आईजीएस पंकज ने गांव के लोगों को समझाश कर बताया कि पुलिस आरोपी को तलाश में जुटी हुई है, जिसे जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस ने गांव में तनाव की स्थिति को देखते हुए पुलिस का जाफा भी तैनात करने

का आश्वासन दिया, जिसके बाद गांव के लोग माने और मृतक बालक के शव को जिला आरबीएम अस्पताल से लेकर अपने गांव पहुंचे। मृतक बालक रोहित के पिता सुघड सिंह ने बताया कि वह मजदूरी का कार्य करता है, जिस पर वह बाहर मजदूरी करने गया था। उसे पता चला कि गांव के ही एक व्यक्ति ने उसके बच्चों पर ट्रैक्टर चलाकर कुचल दिया, जिससे उसके पुत्र रोहित की मौत हो गई। वहीं दूसरे पुत्र कान्हा के पैर में फ्रैक्चर आ गया। उसने बताया कि आरोपी

ट्रैक्टर चालक ने घर के चबूतरे पर ट्रैक्टर चढ़ाकर उसके पुत्र की हत्या की। फिलहाल पुलिस मामले के अनुसंधान में जुटी हुई है। आरोपी पंकज ट्रैक्टर को छोड़कर फरार हो गया था। पुलिस ने मामले में आरोपी के परिजनों को डिटेंट किया है। मृतक रोहित के परिजनों ने बताया कि आरोपी युवक पंकज के परिवारजनों ने 25 सितंबर को भी झड़प की थी, जिस पर पहले राजीनामा हो गया था लेकिन उन्हें तब यह नहीं पता था कि बात यहां तक पहुंच जाएगी।

जैसलमेर ट्रिस्ट गाइड एसोसिएशन के अध्यक्ष अरुण पुरोहित ने बताया कि जैसलमेर के लिए बड़े ही सौभाग्य की बात है कि शाही रेल अपने फेरे के दौरान जैसलमेर पहुंचेगी। हम सभी यह चाहते हैं कि आने वाले समय में पैलेस ऑन व्हील्स में ज्यादा से ज्यादा सैलानी जैसलमेर आए और अन्य शाही ट्रेनें भी यहां आए। जिससे स्वर्णनगरी को विश्व स्तर पर और अधिक पहचान मिल सके और पर्यटक जैसलमेर को निहार सकें। इससे यहां के पर्यटन व्यवसाय का भी विकास होगा और हर आदमी को रोजगार मिल सकेगा।

बांस की खेती पश्चिमी राजस्थान की तस्वीर बदल सकती है!

बीकानेर, (नि.सं.)। बांस की खेती पश्चिमी राजस्थान की तस्वीर बदल सकती है। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में करीब ढाई महीने पहले बांस की 11 विभिन्न प्रजातियों के करीब 200 पौधे लगाए गए। शुष्क पारिस्थितिकी तंत्र में बांस की खेती की संभावनाओं को तलाश जा रहा है। शोध के प्रारंभिक लक्षण उत्साहित करने वाले हैं। बांस के पौधों में अच्छी प्रगति जा रही है।

■ **एसकेआरएयू: शुष्क पारिस्थितिकी तंत्र में बांस की 11 विभिन्न प्रजातियों के 200 पौधे लगाकर शोध किया जा रहा है**

■ **'47 लाख के बांस प्रोजेक्ट का उद्देश्य पश्चिमी राजस्थान की शुष्क जलवायु में बांस की वृद्धि और उत्पादन का अध्ययन करना है'**

बताया कि बांस की खेती किसानों को आर्थिक दृष्टि से भी फायदेमंद रहेगी। बांस से हस्तशिल्प (चटाई, टोकरी, उपकरण, खिलौने व बर्तन) का सामान काशीय पोषा है। पर जीवन में यह 25 मीटर या उससे अधिक की लंबाई तक बढ़ता है। बांस को हर साल पुनः लगाने की आवश्यकता नहीं होती। 3 से 5 साल के चक्र में स्थायी रूप से काटा जा सकता है। बांस अविकसित और खराब भूमि, ऊंचे भूभाग, खेत की मेड़ों व नदी किनारों पर भी उगाया जा सकता है और इसकी फसल में कम पानी की जरूरत पड़ती है। कृषि विश्वविद्यालय में भी बूंद बूंद सिंचाई प्रणाली के जरिए इसमें सिंचाई की जा रही है।

डॉ. पी.के. यादव ने बताया कि बांस एक बहुउपयोगी, मजबूत, नवीकरणीय और पर्यावरण-अनुकूल पौधा है और पृथ्वी पर सबसे तेजी से बढ़ने वाला काशीय पोषा है। पर जीवन में यह 25 मीटर या उससे अधिक की लंबाई तक बढ़ता है। बांस को हर साल पुनः लगाने की आवश्यकता नहीं होती। 3 से 5 साल के चक्र में स्थायी रूप से काटा जा सकता है। बांस अविकसित और खराब भूमि, ऊंचे भूभाग, खेत की मेड़ों व नदी किनारों पर भी उगाया जा सकता है और इसकी फसल में कम पानी की जरूरत पड़ती है। कृषि विश्वविद्यालय में भी बूंद बूंद सिंचाई प्रणाली के जरिए इसमें सिंचाई की जा रही है।

डॉ. यादव ने बताया कि तीन वर्षीय कार्ययोजना के तहत बेहतर प्रदर्शन करने वाली बांस प्रजाति का चयन और उनका नर्सरी में बड़े पैमाने पर गुणन किया जाएगा। साथ ही किसानों व अन्य हितधारकों को प्रशिक्षण, किसानों के खेत में बांस का प्रदर्शन इकाई स्थापित करना और बेहतर प्रदर्शन करने वाली बांस प्रजातियों का किसानों के खेत में रोपण किया जाएगा।

केकड़ी जिले को यथावत रखने की मांग, दूसरे दिन भी केकड़ी बंद रहा

बार एसोसिएशन आज सरकार की सदबुद्धि के लिए यज्ञ करेगा, शहर में रैली निकालेगी

केकड़ी, (नि.सं.)। केकड़ी से जिले का दर्जा छीनने की कयासों के बाद से केकड़ी में हर वर्ग में सरकार के प्रति आक्रोश व्याप्त हो गया है। जिला बचाओ अभियान के तहत बार एसोसिएशन के आह्वान पर लगातार दूसरे दिन केकड़ी कस्बा पूरी तरह से बंद रहा। बार एसोसिएशन के दर्जनों व्यापारिक व सामाजिक संगठनों ने समर्थन दिया है जिससे जिला बचाओ आन्दोलन तेजी बढ़ रहा है।



केकड़ी जिले को यथावत रखने की मांग को लेकर धरना जारी रहा।

जानकारी के अनुसार केकड़ी जिले को यथावत रखने की मांग को लेकर त्योंहारी सीजन के बावजूद व्यापारियों ने अपनी दुकानें बंद रखी। सरकार सहित अन्य इलाकों में बंद रखा गया था। रविवार को भी बार एसोसिएशन के आह्वान पर बंद रखा गया है। बंद को दो दर्जन से अधिक संगठनों ने समर्थन दिया है। लोगों ने स्वेच्छा से अपने-अपने प्रतिष्ठान बंद रखे। दुकानों के ताले लटके रहे।

इधर बार एसोसिएशन का उपखण्ड कार्यालय के बाहर लगातार तीसरे दिन धरना प्रदर्शन जारी रहा। इस मौके पर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रामअवतार मीणा, मोहम्मद सईद नकवी, हेमन्त जैन, रामसिंह राठौड़,

सांवरलाल चौधरी, अर्जुन सिंह शक्तावत, भूपेन्द्र सिंह राठौड़, सीताराम कुमावत, हेमराज कानावत, योगेश कोरवानी, शिवप्रकाश चौधरी आदि मौजूद थे। केकड़ी जिले को यथावत रखने की मांग को लेकर रविवार को बार एसोसिएशन के अधिकारियों ने आन्दोलन को आगे बढ़ाने के लिए आह्वान किया। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रामअवतार मीणा ने बताया कि अधिकारियों द्वारा सोमवार को सुबह 10 बजे कचहरी परिसर से घण्टाघर तक रैली निकाली

जायेगी तथा केकड़ी हृदयस्थल घण्टाघर पर सरकार को सदबुद्धि हेतु यज्ञ किया जाएगा। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष मीणा ने बताया कि अधिकारियों ने सोमवार को भी न्यायिक कार्य का बहिष्कार करेंगे। उन्होंने बताया कि जब तक सरकार की ओर से कोई ठोस आश्वासन नहीं मिलता तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

■ **जिला बचाओ आन्दोलन को दर्जनों व्यापारिक व सामाजिक संगठनों ने समर्थन दिया है**

का संस्कार करेगा। उन्होंने बताया कि जब तक सरकार की ओर से कोई ठोस आश्वासन नहीं मिलता तब तक आंदोलन जारी रहेगा। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रामअवतार मीणा ने बताया कि अधिकारियों द्वारा सोमवार को सुबह 10 बजे कचहरी परिसर से घण्टाघर तक रैली निकाली जायेगी तथा केकड़ी हृदयस्थल घण्टाघर पर सरकार को सदबुद्धि हेतु यज्ञ किया जाएगा। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष मीणा ने बताया कि अधिकारियों ने सोमवार को भी न्यायिक कार्य का बहिष्कार करेंगे। उन्होंने बताया कि जब तक सरकार की ओर से कोई ठोस आश्वासन नहीं मिलता तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

कलेक्ट्रेट के बाहर चार दिनों से आन्दोलन जारी :- वहीं दूसरी केकड़ी जिले को यथावत रखने की